कानपुर, शनिवार, 14 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 44, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड जांच प्रक्रिया पर फिर उठे सवाल...>Pg12

हाइड्रोलिक प्रेशर मशीन में दबकर कर्मचारी की मौत...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

आईआईटी कानपुर कैंपस में एक और सुसाइड

महिला जूनियर टेक्नीशियन ने कमरे में फांसी लगाकर की आत्महत्या ○ कमरे से डायरी मिली, फिर उठे मानसिक दबाव और सुरक्षा तंत्र पर सवाल

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

कानपुर। देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में शुमार आईआईटी कानपुर के कैंपस में एक महिला जूनियर टेक्नीशियन ने अपने आवासीय कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह हुई इस घटना से कैंपस में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही संस्थान प्रशासन, सुरक्षा विभाग और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे तोड़कर टीम अंदर दाखिल हुई तो टेक्नीशियन का शव पंखे से लटका मिला।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से एक निजी डायरी बरामद हुई है, जिसमें व्यक्तिगत जीवन और मानसिक स्थिति से जुड़े कुछ उल्लेख पाए गए हैं। डायरी को जांच का अहम आधार बनाया गया है।

शनिवार सुबह टेक्नीशियन ड्यूटी पर नहीं पहुंची। सहकर्मी ने संपर्क करने की कोशिश की लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद आवास पर पहुंचने पर दरवाजा अंदर से बंद मिला। सूचना पर प्रशासन और पुलिस बुलाई गई। दरवाजा तोड़ने पर अंदर शव लटका मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतका की उम्र करीब 26 वर्ष थी और वह मूल रूप से झारखंड की रहने वाली थी। वह पिछले लगभग तीन वर्षों से संस्थान में जूनियर टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थी। सहकर्मियों के मुताबिक वह नियमित ड्यूटी करती थी, हालांकि पिछले कुछ समय से तनाव में दिख रही थी – इस पहलू की भी जांच की जा रही है।

घटनास्थल से फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। कमरे से मिले दस्तावेज, डायरी और डिजिटल उपकरणों की जांच की जाएगी। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन किसी भी अन्य संभावना से इनकार नहीं किया गया है। कॉल डिटेल, मैसेज और कार्यस्थल से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल होगी। कैंपस में लगातार सामने आ रही आत्महत्या की घटनाओं ने मानसिक स्वास्थ्य सहायता, काउंसलिंग तंत्र और कार्यस्थल दबाव पर नए सिरे से बहस छेड़ दी है। संस्थान से जुड़े सूत्रों के अनुसार काउंसलिंग और वेलनेस सपोर्ट सिस्टम की समीक्षा की जा रही है।

अंजू कुमारी, मृतक

वेलेंटाइन डे पर मंगेतर से विवाद के बाद दी जान

प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवती की शादी तय हो चुकी थी। घटना से पहले युवती की अपने मंगेतर पंकज से फोन पर बातचीत के दौरान विवाद हो गया था। कहासुनी बढ़ने पर युवती ने जान देने की बात कही और कॉल काट दी। अनहोनी की आशंका में पंकज ने कैंपस में रहने वाले परिचित को कमरे पर भेजा। दरवाजा अंदर से बंद मिला। सूचना पर वॉर्डन और पुलिस पहुंची। दरवाजा खुलवाने पर युवती पंखे के सहारे फंदे से लटकी मिली। पुलिस ने मोबाइल व कॉल डिटेल खंगालनी शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी

असम के हाईवे पर वायुसेना के एयरक्राफ्ट से उतरे प्रधानमंत्री, ऐसा करने वाले पहले PM बने

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

गुवाहाटी। असम दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक अहम सैन्य-नागरिक बुनियादी ढांचे के प्रदर्शन के तहत हाईवे पर वायुसेना के विमान से उतरकर नया रिकॉर्ड बनाया। वे ऐसा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं।

प्रधानमंत्री पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे, इसके बाद वे भारतीय वायुसेना के C-130 परिवहन विमान से डिब्रूगढ़ क्षेत्र में मोरन बाइपास पर तैयार इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) पर उतरे। यह लैंडिंग सैन्य दृष्टि से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

हाईवे एयरस्ट्रिप पर हुआ फाइटर जेट शो

पीएम की मौजूदगी में मोरन बाइपास एयरस्ट्रिप पर करीब 30 मिनट का एरियल डेमो आयोजित किया गया। इसमें राफेल और सुखोई सहित 16 लड़ाकू विमानों ने हाईवे स्ट्रिप से ही लैंडिंग और टेकऑफ का प्रदर्शन किया। यह अभ्यास आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित ऑपरेशन क्षमता को दिखाने के लिए किया गया।

चीन सीमा से करीब 300 किमी दूर है लोकेशनः मोरन बाइपास एयरस्ट्रिप सामरिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है और चीन सीमा से लगभग 300 किलोमीटर दूर बताई जाती है। रक्षा जरूरतों को देखते हुए इस तरह की हाईवे लैंडिंग स्ट्रिप्स को तेजी से विकसित किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटीः यह ELF पूर्वोत्तर क्षेत्र की पहली हाईवे आधारित इमरजेंसी लैंडिंग सुविधा मानी जा रही है, जिसे डुअल-यूज इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्सेप्ट पर तैयार किया गया है। इसका उपयोग सैन्य और नागरिक–दोनों प्रकार के विमान कर सकते हैं। NH-127 के करीब 4.4 किमी हिस्से पर विकसित यह एयर स्ट्रिप युद्ध या आपदा की स्थिति में वैकल्पिक रनवे के रूप में उपयोग किया जा सकता है। सामान्य दिनों में सड़क यातायात के लिए खुला है। यह एयर स्ट्रिप 40 टन तक के फाइटर एयरक्राफ्ट हैंडल करने में सक्षम है। 74 टन अधिकतम टेकऑफ वेट वाले ट्रांसपोर्ट विमान भी उतर सकते हैं

परियोजनाओं का भी उद्घाटनः दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मन सेतु और आईआईएम गुवाहाटी के टेंपरेरी कैंपस का भी उद्घाटन किया। पिछले तीन महीनों में यह उनका असम का तीसरा दौरा है। यह पूरा कार्यक्रम नागरिक अवसंरचना और सैन्य तैयारी के संयुक्त मॉडल को प्रदर्शित करने के तौर पर देखा जा रहा है।

विधायक अमिताभ के पुत्र के विवाहोत्सव पर सैफई परिवार ने दिया आशीर्वाद

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आर्यनगर से विधायक अमिताभ बाजपेई के पुत्र शिखर बाजपेई के विवाह समारोह में शुक्रवार को राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। कार्यक्रम होटल इटरनिटी में आयोजित किया गया।

समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, तेज प्रताप यादव तथा पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विवाह समारोह में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक भी पहुंचे। अतिथियों ने वर-वधू को आशीर्वाद दिया और नवदंपति के सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और गरिमामय रहा।

कानपुर में विशाल नशामुक्त पदयात्रा, हजारों लोगों ने दिया नशामुक्त समाज का संदेश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत और अपराध मुक्त समाज के लक्ष्य को लेकर कार्यरत भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा शनिवार 14 फरवरी 2026 को कानपुर के गोविन्द नगर स्थित रामलीला मैदान से विशाल नशामुक्त पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा में हजारों की संख्या में संगठन के कार्यकर्ताओं, नगरवासियों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

यात्रा के दौरान नशामुक्त परिवार, अपराध मुक्त समाज का संदेश देते हुए कार्यकर्ताओं ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने की मांग उठाई। मार्ग में जगह-जगह संत-महात्माओं और समाजसेवी संस्थाओं ने पदयात्रा का स्वागत किया, जबकि प्रशासन का भी पूरा सहयोग रहा।

कार्यक्रम में पंचज्योति शक्तितीर्थ सिद्धाश्रम से संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष पूजा शुक्ला, केंद्रीय महासचिव अजय अवस्थी और चेतना आरूणी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए महासचिव अजय अवस्थी ने कहा कि कानपुर क्रांतिकारियों की धरती रही है

और यहीं से नशामुक्त प्रदेश का शंखनाद किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्व के लिए शराब को बढ़ावा देने से युवाओं में अपराध, दुर्घटनाएं और सामाजिक विघटन बढ़ रहा है।

केंद्रीय अध्यक्ष पूजा शुक्ला ने कहा कि नशे का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं और

परिवारों पर पड़ता है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे नशामुक्त अभियान से जुड़कर समाज को सुरक्षित और संस्कारित बनाने में भागीदारी निभाएं।

संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि योगीराज शक्तिपुत्र महाराज द्वारा स्थापित यह संगठन पिछले लगभग 30 वर्षों से देशभर में नशामुक्ति और आध्यात्मिक जागरूकता का अभियान चला रहा है ।

तथा लाखों परिवारों को इससे जोड़ा जा चुका है।

कार्यक्रम के अंत में पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार से उत्तर प्रदेश को नशामुक्त प्रदेश घोषित करने, अवैध नशे पर कठोर कार्रवाई करने और सामाजिक जागरूकता अभियान तेज करने की मांग की। पदयात्रा में प्रदेश और देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हाइड्रोलिक प्रेशर मशीन में दबकर कर्मचारी की मौत

भीमसेन स्थित बोरी बनाने के कारखाने में हुआ दर्दनाक हादसा

खबरः एक नजर में

- हाइड्रोलिक प्रेशर मशीन में दबने से कर्मचारी की मौत
- बोरी निर्माण कारखाने में ड्यूटी के दौरान हुआ हादसा
- मृतक की पहचान अवधेश उर्फ मम्मन (28) के रूप में
- सहकर्मियों ने बचाने की कोशिश की, नहीं बच सकी जान
- परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाए
- शव कब्जे में लेने पर पुलिस और परिजनों में नोकझोंक
- सुरक्षा इंतजामों और मशीन संचालन की जांच शुरू
- तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र के भीमसेन स्थित झुन-झुन कंपाउंड में संचालित बोरी बनाने के कारखाने में एक बड़ा औद्योगिक हादसा हो गया। काम के दौरान हाइड्रोलिक प्रेशर मशीन में दबने से 28 वर्षीय कर्मचारी अवधेश उर्फ मम्मन (निवासी पंचम पुरवा) की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अवधेश रोज की तरह अपनी ड्यूटी पर मशीन सेक्शन में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मशीन चालू अवस्था में आई और वह उसकी चपेट में आ गए। आसपास मौजूद कर्मचारियों ने शोर मचाया और मशीन बंद कर उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया। हादसा इतना गंभीर था कि उन्हें बचाया नहीं जा सका।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की तैयारी शुरू की, लेकिन इस दौरान परिजनों ने विरोध जताया। परिजन फैक्ट्री मालिक को मौके पर बुलाने और मुआवजा व कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। कुछ देर तक मौके पर तनाव की स्थिति बनी रही, जिसे पुलिस ने समझाकर शांत कराया।

परिजनों का आरोप है कि फैक्ट्री में पर्याप्त सुरक्षा उपकरण और सेफ्टी गार्ड नहीं लगाए गए थे। उनका कहना है कि पहले भी मशीनों को लेकर शिकायतें की गई थीं, लेकिन प्रबंधन

- **परिवारीजनों का हंगामा, फैक्ट्री मालिक पर लापरवाही के आरोप**
- **सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल, पुलिस ने शुरू की जांच**

ने ध्यान नहीं दिया। हादसे के बाद फैक्ट्री प्रबंधन के जिम्मेदार लोग मौके से अनुपस्थित बताए गए, जिससे परिजनों का गुस्सा और बढ़ गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार फैक्ट्री में लगे उपकरणों, सुरक्षा व्यवस्था और ड्यूटी रजिस्टर की जांच की जा रही है। कर्मचारियों से पूछताछ कर यह भी पता लगाया जा रहा है कि हादसे के समय मशीन किस स्थिति में संचालित हो रही थी। तहरीर मिलने के बाद संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कोडीन कफ सिरप मामले में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नशे में इस्तेमाल होने वाली प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कानपुर पुलिस ने कोडीन युक्त कफ सिरप और अल्प्राजोलम टैबलेट्स के एक संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त सुमित केसरवानी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक मेडिकल स्टोर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गईं।

डीसीपी श्रवण कुमार के अनुसार जांच के दौरान देवनगर क्षेत्र स्थित मैसर्स बालाजी मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की गई। यहां से करीब 2,100 बोतलें कोडीन युक्त कफ सिरप और 10,800 अल्प्राजोलम गोलियां बरामद हुईं। प्राथमिक जांच में सामने आया कि इन दवाओं की बिक्री बिना वैध अभिलेख, स्टॉक रजिस्टर और डॉक्टर के पर्चे के की जा रही थी, जो एनडीपीएस और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स कानूनों का उल्लंघन है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने छापे की भनक लगने पर कंप्यूटर में मौजूद बिक्री और सप्लाई से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड डिलीट कर दिए थे। साइबर टीम अब डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने में जुटी है, ताकि सप्लाई चेन और अन्य जुड़े लोगों की पहचान की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी पहले भी प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार से जुड़े मामलों में संलिप्त रहा है और काफी समय से वांछित चल रहा था।

उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि बरामद दवाएं किन-किन जिलों में सप्लाई की जा रही थीं और क्या इसमें अन्य मेडिकल स्टोर या थोक विक्रेता भी शामिल हैं। ड्रग विभाग को भी जांच में शामिल किया गया है।

ऑटो स्टंटबाजी रोकने पर ब्लेड से हमला, मां बेटी समेत पांच घायल, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पीड़ित पक्ष का आरोपः हमलावर युवक नशे में थे, जान से मारने की धमकी भी दी

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। किदवईनगर क्षेत्र में ऑटो से स्टंटबाजी कर रहे चालक को टोकने पर विवाद इतना बढ़ गया कि चालक ने अपने साथियों के साथ मिलकर मां-बेटी और उनके तीन परिजनों पर ब्लेड से हमला कर दिया। हमले में पांच लोग घायल हो गए। घायलों के चेहरे और हाथ पर गहरे जख्म आए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी ऑटो चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि उसके साथियों की तलाश जारी है।

पीड़िता रानी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार शाम वह अपनी बड़ी बहन राधा, छोटी बहन प्रीति, प्रीति के पति गौरव और बेटी पलक के साथ बाजार जा रही थीं। घर से कुछ ही दूरी पर गली में तेज रफ्तार से एक ऑटो स्टंट करते हुए निकला। कुछ दूर आगे जाकर ऑटो असंतुलित होकर पलट भी गया। ऑटो में चालक के अलावा जीशान और दो अन्य युवक सवार थे।

परिजनों ने लापरवाही और स्टंटबाजी का विरोध किया तो आरोप है कि ऑटो सवार युवक भड़क गए और गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और हाथापाई शुरू हो गई। बीच-बचाव करने पर चालक आदिल खान ने ब्लेड निकालकर हमला कर दिया। हमले में रानी के चेहरे पर गहरे कट लगने से 15 टांके लगाने पड़े, जबकि उनकी छोटी बहन प्रीति के गाल पर गहरा घाव होने से 10 टांके आए। हमले के दौरान बड़ी बहन राधा और गौरव भी घायल हो गए। बचाव करने पहुंची रानी की बेटी पलक की कलाई में भी ब्लेड लगने से जख्म हो गया। आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावर युवक नशे की हालत में थे और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दे रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया और मामले की जांच शुरू की।

थाना प्रभारी के मुताबिक तहरीर के आधार पर आरोपी चालक और उसके साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, अपमानित करने, मारपीट और जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाने समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। मुख्य आरोपी आदिल खान को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। फरार अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

एडीजी का अल्टीमेटम, अपराध नियंत्रण के लिए करें सख्ती

त्योहारों से पहले कड़े इंतजाम के कानपुर जोन के एडीजी आलोक सिंह ने दिए निर्देश

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। कानपुर जोन के एडीजी आलोक सिंह ने मासिक अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अधिकारियों को कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश दिए। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित इस बैठक में कानपुर जोन के सभी जिलों के पुलिस प्रमुखों के साथ अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, साइबर अपराध, यातायात प्रबंधन और आगामी पर्वों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में एडीजी ने स्पष्ट कहा कि महाशिवरात्रि और होली जैसे संवेदनशील पर्वों के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने, संवेदनशील स्थलों का पूर्व निरीक्षण करने और विवादित बिंदुओं को समय रहते निपटाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि बीट स्तर तक पुलिस की सक्रियता सुनिश्चित की जाए और मुखबिर तंत्र व शांति समिति के सदस्यों को भी सक्रिय रखा जाए। सोशल मीडिया पर 24 घंटे निगरानी रखते हुए भ्रामक और सांप्रदायिक पोस्ट का तत्काल खंडन और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए ड्रोन निगरानी बढ़ाने, टॉप-टेन व माफिया

अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने और महिला व बाल अपराध के मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। मंदिरों, शिवालयों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, सीसीटीवी मॉनिटरिंग और ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू करने को कहा गया।साइबर क्राइम हेल्पडेस्क को सक्रिय रखते हुए ऑनलाइन ठगी और फ्रॉड मामलों में त्वरित कार्रवाई

तथा सड़क सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। एडीजी ने पारदर्शी, जवाबदेह और परिणाममुखी पुलिसिंग के जरिए आमजन में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक में आकाश कुलहरि, हरीश चन्दर समेत कानपुर जोन के सभी जिलों के पुलिस कप्तान मौजूद रहे।

एडीजी (कानपुर जोन) आलोक सिंह

किदवई नगर में पुलवामा शहीदों को दी श्रद्धांजलि, पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुलवामा हमले में शहीद हुए 40 जवानों की स्मृति में शनिवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले लगभग 50 पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले जवानों का बलिदान सदैव याद रखा जाएगा

और समाज को उनके परिवारों के प्रति सम्मान व सहयोग की भावना बनाए रखनी चाहिए।

कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष द्विवेदी ने किया।

इस दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप तिवारी, पूर्व सांसद राजा रामपाल,

सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रमेश यादव, पूजा यादव, राजू यादव सहित क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा 11 झांकियों के साथ सजेगा दरबार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शुक्लागंज में रविवार को दोपहर एक बजे से भगवान शिव की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें शिव तांडव और 11 झांकियां आकर्षण का केंद्र होंगी। गोपीनाथपुरम से शुरू होकर यह यात्रा राजधानी मार्ग के प्रमुख रास्तों से गुजरेगी।

शुक्लागंज में महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को भगवान शंकर की भव्य शोभायात्रा निकलेगी। शोभायात्रा गोपीनाथपुरम से शुरू होकर राजधानी मार्ग गंगाघाट कोतवाली से मुड़कर पुनः कार्यक्रम स्थल पहुंचेगी। शोभायात्रा में विभिन्न झांकियों के अलावा शिव तांडव मुख्य आकर्षण होगा। यह जानकारी शुक्रवार को आयोजकों ने पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

बताया कि शोभायात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि शोभायात्रा दोपहर एक बजे से गोपीनाथ पुरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से शुरू होगी। राजधानी मार्ग अंबिका मेमोरियल पब्लिक स्कूल से राजधानी मार्ग होते हुए कोतवाली गेट से मुड़कर पुनः गोपीनाथपुरम पहुंचेगी।

डमरू बजाते हुए यात्रा के साथ-साथ चलेगी भक्तों की टोली

शोभायात्रा में भगवान शिव परिवार सहित कई 11 झांकी शामिल रहेगी। सजे हुए रथ पर शिव तांडव आकर्षण का केंद्र रहेगा। भक्तों की टोली डमरू बजाते हुए यात्रा के साथ-साथ चलेगी। प्रेस वार्ता के दौरान वीरेंद्र शुक्ला, अंजनी अग्निहोत्री, कमल वर्मा, सूर्यकुमार बाजपेई, भूपेंद्र सिंह, सत्य कुमार उपाध्याय, राजन कनौजिया, सर्वेश राजपूत, आकाश बाजपेई, सुनील सिंह यादव, यश प्रताप व अनूप साहू आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

गिग-वर्कर्स की मांगों को गंभीरता से लें

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है।दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती।

अदावत को दोस्ती में बदलने की कूटनीतिक पहल

पुष्परंजन

विश्लेषकों ने माना है, कि एस. जयशंकर को ढाका भेजने का फैसला कूटनीतिक परिपक्वता का परिचायक है। एस. जयशंकर ढाका जितने समय थे, उन्होंने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलने की ज़हमत नहीं उठाई। जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने... विश्लेषकों ने माना है, कि एस. जयशंकर को ढाका भेजने का फैसला कूटनीतिक परिपक्वता का परिचायक है। एस. जयशंकर ढाका जितने समय थे, उन्होंने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलने की ज़हमत नहीं उठाई। जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने भारतीय राजनयिकों के साथ मुलाक़ात की बात मानी है। यह ख़बर जंगल में आग की तरह फैली है। बांग्लादेश स्थित जमात-ए-इस्लामी को भरोसे में लेने की ज़रूरत और भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर का पूर्व प्रधानमंत्री ख़ालिदा ज़िया के जनाजे में शामिल होना, ये दो घटनायें सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को असहज किये हुए है।

मोहम्मद यूनुस चुनाव तक बांग्लादेश में बतौर 'गेस्ट आर्टिस्ट' हैं, बाद के दिनों में वो राष्ट्रपति बनेंगे, या मार्गदर्शक मंडल में शामिल होंगे? यह सवाल अधर में लटका पड़ा है। रॉयटर्स के साथ एक इंटरव्यू में, जमात अमीर ने कहा कि जब मैं बीमार था, जैसे दूसरे देशों के राजनयिक मुझसे मिलने आए, वैसे ही दो भारतीय राजनयिक भी कुशल-क्षेम के वास्ते मेरे घर आए थे। मैंने उनसे वैसे ही बात की, जैसे दूसरों से की थी। जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने कहा, 'भारतीय राजनयिकों ने अनुरोध किया कि इस दौरे को सार्वजनिक न किया जाए। आगे भी दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय हितों से जुड़ी भविष्य की कोई भी बैठक की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाएगी।' जमात प्रमुख शफीकुर रहमान ने पुष्टि की, कि मैंने अपनी बाईपास सर्जरी के बाद सितम्बर, 2025 की शुरुआत में एक भारतीय राजनयिक से मुलाकात की थी। अब सवाल यह है, कि क्या जमात लीडरशिप बीएनपी नेताओं के सम्बन्ध भारत के साथ सॉफ्ट करने में कोई भूमिका निभा रही है? यह भी एक क़िस्म की 'पोलिटिकल बाईपास सर्जरी' है, जिससे मुहम्मद यूनुस के रणनीतिकार अनजान थे। जमात ने आखिरी बार 2001 और 2006 के बीच बीएनपी के साथ एक जूनियर गठबंधन सहयोगी के रूप में सत्ता संभाली थी, और वह फिर से उसके साथ काम करने के लिए तैयार है। बाहर से यही दिख रहा था कि भारत विरोधी माहौल बनाने में जमात पाकिस्तान के इशारों पर यह सबकुछ कर रहा था, लेकिन अब वो क्यास कथा पलटती दिख रही है। बांग्लादेश में हिन्दू विरोधी माहौल से देश, और देश से बाहर किस-किस को फायदा मिलता है? इस बारे में डिप्लोमेट तो खुलकर बोलेंगे नहीं, लेकिन यह विश्लेषण का विषय है। बुधवार को, जिस तरह का हुजूम बेग़म ख़ालिदा ज़िया के जनाजे में दिखा, वो इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) एक बार फिर सियासी पारी खेल सकती है। सबका यही अनुमान था कि चुनाव तक बांग्लादेश में जो पार्टियां मैदान में हैं, वो हिन्दुओं को निशाने पर लेते हुए, भारत विरोधी विष वमन करेंगी। लेकिन, किसी ने सोचा नहीं था कि इस बीच बीएनपी की सर्वोच्च नेता ख़ालिदा जिया को सिपुर्द-ए-खाक़ करने की सूरत बन आएगी, और भारतीय विदेशमंत्री शोक और दोस्ती का पैगाम लेकर ढाका जायेंगे। विश्लेषकों ने माना है, कि एस. जयशंकर को ढाका भेजने का फैसला कूटनीतिक परिपक्वता का परिचायक है। एस. जयशंकर ढाका जितने समय थे, उन्होंने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मिलने की ज़हमत नहीं उठाई। इससे साफ़ संदेश जा रहा था, कि भारत सरकार की दिलचस्पी देश के अस्थायी व्यस्थापक में कतई नहीं है। पीएम मोदी अदावत को दोस्ती में बदलने की कला में माहिर राजनेता हैं।

आपदाओं से उबरने की क्षमता में वृद्धि जरूरी

क्लाइमेट रेजिलियंस

वीरेन्द्र कुमार

जलवायु बदलाव के चलते मध्य हिमालय क्षेत्र में मौसमी अतिरेक से आपदाएं बार-बार आ रही हैं। जिससे प्रकृति, बुनियादी ढांचा व मानव जीवन प्रभावित हो रहा है। इससे जल्द उबरने को क्लाइमेट रेजिलियंस बढ़ाना महत्वपूर्ण है। गर्म होती धरा, उससे उपजते वैश्विक जलवायु बदलाव व आपदाएं आकस्मिक व अतिशय घातक होते जा रहे हैं। कृषि, परिवहन, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण संरचना जैसे क्षेत्रों में इनका प्रतिगामी असर जैविक व भौतिक दोनों पर पड़ा है। इससे बना-बनाया ध्वस्त भी हो जाता है। फिर से सब कुछ सहेजना मुश्किल होता है। आकस्मिक आपदाओं की निरंतरता के बीच हर क्षेत्र में क्लाइमेट रेजिलियंस बढ़ाने का मुद्दा केन्द्र में आ गया है।मध्य हिमालय में जलवायु बदलाव के दो-तीन बड़े असर जाड़ों में भी वनों में आग, बादल विस्फोट, ग्लेशियर टूटने, ग्लेशियर झीलें बनने व ग्लेशियर पीछे खिसकने तथा अपनी मोटाई खोने के रूप में दिखते हैं। हिमस्खलन, भूस्खलन व दावानल की घटनायें बढ़ी हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष भी बढ़े हैं।

सालों से ऐसा हो रहा है कि एक आपदा के बाद संभल नहीं पाते, दूसरी आ जाती है। उत्तराखंड 2025 में भी भारी आपदाग्रस्त रहा। इनसे हुई क्षति की आपूर्ति तो दूर की बात, अभी कहीं-कहीं बीते दशक की आपदाओं में क्षतिग्रस्त कई पुल व सड़कें भी अब तक नहीं बनाई जा सकी हैं। जरूरी है जल्दी से जल्दी सब कुछ सामान्य हो। उत्तराखंड व हिमाचल जैसे राज्यों को क्लाइमेट रेजिलियंस पर काम करने

की आवश्यकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में देहरादून में बीते 13 व 14 अक्तूबर को 'उत्तराखंड में जलवायु बदलाव रेजिलियंस पर मिलजुल कर कार्यवाही - राष्ट्रीय विचार विमर्श' आयोजित किया गया था। सहमति के बिंदुओं पर आगे बढ़ने की रणनीति तैयार की जा रही है। क्लाइमेट रेजिलियंस किसी भी प्रणाली व जैविक-अजैविक एकांशों की वह क्षमता है जिससे जलवायु बदलाव प्रेरित अतिवृष्टि,अतिताप, अतिशीत अति बवंडर व समुद्री तूफानों की घटनाओं के आघातों-व्यवधानों से उबरकर वह पहले जैसी भूमिका निर्वहन में सक्षम हो जाता है। विकास की निरंतरता के लिये खेती, जलापूर्ति, सीवरेज प्रणाली, सड़कों, परिवहन, भवन, पुल, संचार, स्वास्थ्य सुविधाओं के बुनियादी ढांचे क्लाइमेट रेजिलियंट होने चाहिये। खेती क्लाइमेट रेजिलियंट होगी तो किसान की आय व खाद्य सुरक्षा में अनिश्चितता कम होगी। सीवरेज व पेयजल व्यवस्था क्लाइमेट रेजिलियंट होंगे तो स्वास्थ्य समस्याएं कम होंगी। ऐसी ही समस्या है सेनिटेशन सततता की। अतिशय बारिश, भूस्खलन, बाढ़ व सूखे जैसी जलवायु आपदायें सेनिटेशन प्रणालियों पर गंभीर असर डाल रही हैं। ऐसे में शौचमुक्त क्षेत्रों में फिर खुले में शौच होना शुरू हो जाता है। आपदाओं में शौचालय प्रणालियों को अबाधित बनाये रखने के लिये यूनीसेफ अपने वाश स्टाफ को जलवायु बदलाव अनुकूलन रणनीति पर प्रशिक्षण दे रहा है। आजकल ई-गवर्नेंस व ई-बैंकिंग के साथ उद्योग, व्यवसाय, बैंकिंग व प्रशासकीय व्यवस्थाएं जुड़ी हैं तो क्लाइमेट रेजिलियंसी के मानक ये भी हैं कि बाढ़ आदि आपदा में यदि डाटा क्षतिग्रस्त हो जाएं तो उसकी रिकवरी यथाशीघ्र हो जाये।क्लाइमेट रेजिलियंस आपदा के बाद की स्थिति का विवेचन है। यदि हम प्रोएक्टिव हों तो पूर्व चेतावनियों से आपदाओं के जोखिम कम कर सकते हैं जैसे बाढ़ या चक्रवाती तूफानों में लोगों को तटों से हटा सकते हैं।

ग्लेशियर टूटने या उनमें झील बनने की संभावनाओं की मॉनिटरिंग संभव है। प्रकृति पर भी जलवायु बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग और मौसमी अतिरेकों व अनिश्चितताओं के कुप्रभाव कम नहीं हैं। प्राकृतिक घटकों की रेजिलियंस पर भी फोकस की जरूरत है। प्रकृति की मदद करेंगे तो प्रकृति क्लाइमेट रेजिलियंस पाने में मदद करेगी। किन्तु पूरे विश्व में ही प्राकृतिक संसाधनों की रेजिलियंस में मानवीय कृत्यों से कमी आई है।

निर्माण कार्य शुरू किया गया, जाम से राहत और क्षेत्रीय विकास को मिलेगा बढ़ावा

ककवन-बिल्हौर मार्ग के चौड़ीकरण से खुलेगी विकास की राह

- ककवन-बिल्हौर मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य शुरू
- सड़क की चौड़ाई 7 मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर की जा रही
- ककवन रोड तिराहे और बाजार क्षेत्र के जाम से मिलेगी राहत
- भविष्य में फोरलेन बनाने की प्रारंभिक योजना
- जीटी रोड और स्टेट हाईवे से बेहतर कनेक्टिविटी का लक्ष्य
- जल निकासी और किनारे सुदृढ़ीकरण भी परियोजना में शामिल
- एक वर्ष में निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य
- बाधक अतिक्रमण चिन्हित, हटाने की तैयारी
- फुटपाथ और सड़क किनारे कब्जों पर प्रशासन सख्त
- नोटिस और मुनादी के बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान चलेगा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। क्षेत्र के प्रमुख संपर्क मार्ग ककवन-बिल्हौर रोड के चौड़ीकरण का काम औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे इस कार्य से न सिर्फ यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है, बल्कि आसपास के ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में व्यापारिक व सामाजिक गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना जताई जा रही है। अभी तक यह सड़क लगभग 7 मीटर चौड़ी थी, जिसे अब बढ़ाकर 10 मीटर किया जा रहा है।

ककवन विकास खंड को जोड़ने वाला यह मार्ग लंबे समय से संकरा होने के कारण जाम और दुर्घटनाओं का कारण बनता रहा है। विशेष रूप से ककवन रोड तिराहे और बाजार क्षेत्र के आसपास रोजाना वाहनों की लंबी कतारें लगती थीं। चौड़ीकरण के बाद यहां ट्रैफिक का दबाव कम होगा और बड़े वाहनों की आवाजाही भी सुगम हो सकेगी।

अधिकारियों के अनुसार इस मार्ग को आगे चलकर फोरलेन में विकसित करने की भी प्रारंभिक योजना है। यदि ऐसा होता है तो यह सड़क क्षेत्र के लिए मुख्य आर्थिक कॉरिडोर का रूप ले सकती है। इससे मंडियों, छोटे उद्योगों, गोदामों और परिवहन आधारित कारोबार को सीधा लाभ मिलेगा।

सड़क निर्माण कार्य से जुड़े अभियंता आशीष कुमार ने बताया कि बिल्हौर से ककवन होते हुए जीटी रोड तक पूरे हिस्से का चरणबद्ध तरीके से चौड़ीकरण किया जा रहा है। मिट्टी भराई, किनारे मजबूत करने और जल निकासी की समुचित व्यवस्था भी परियोजना में शामिल है ताकि बरसात के समय सड़क को नुकसान न पहुंचे। विभाग ने एक वर्ष के भीतर काम पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने बताया कि जहां-जहां 10 मीटर चौड़ाई प्राप्त करने में अवरोध सामने आएंगे, वहां राजस्व और प्रशासनिक अधिकारियों की मदद से अतिक्रमण हटवाया जाएगा। इसके लिए संयुक्त सर्वे भी कराया जा रहा है।

उधर कस्बा क्षेत्र में फुटपाथ और सड़क किनारे बढ़ते कब्जों को देखते हुए प्रशासन ने सख्ती के संकेत दिए हैं। नगर पालिका सीमा के भीतर मुख्य बाजार, तिराहों और व्यस्त मार्गों पर किए गए अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण को हटाने की तैयारी है। पहले मुनादी कराकर और नोटिस देकर लोगों को स्वयं कब्जा हटाने का मौका दिया जाएगा, उसके बाद अभियान चलाया जाएगा। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक और पुलिस बल मौजूद रहेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तय समय में पूरी हो जाती है तो आने वाले समय में क्षेत्र की कनेक्टिविटी, व्यापार और आवागमन की तस्वीर बदल सकती है।

कुल्हाड़ी मार कर की हत्या

ममेरे भाई समेत दो को उम्रकैद

चौबेपुर हत्याकांड - हैडिंग के नीचे लाल पट्टी बनाएं

- जन्मदिन पार्टी में युवती के साथ आपत्तिजनक हालत में देखने के बाद पनपी रंजिश
- साढ़े तीन साल पुराने हत्याकांड में अदालत का फैसला,दो-दो लाख का जुर्माना

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर(बिल्हौर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र में जून 2022 में हुए चर्चित हत्याकांड में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश की अदालत ने मृतक के ममेरे भाई हर्षित उर्फ हर्ष वाल्मीकि और उसके साथी शिवम कुमार को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर दो-दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। जुर्माना अदा न करने पर दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अभियोजन के अनुसार, 14 जून 2022 को चौबेपुर निवासी ताराचंद्र अपने ममेरे भाई हर्षित और उसके मित्र शिवम के साथ नौटंकी देखने गया था। देर रात दोनों आरोपी तो लौट आए, लेकिन ताराचंद्र घर नहीं पहुंचा। अगले दिन दिलीप नगर मोड़ के पास खेत में उसका शव मिला। मृतक के भाई राजेश की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

सरकारी अधिवक्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि सुनवाई के दौरान 10 गवाह पेश किए गए। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक की गवाही और हथियार की खरीद से जुड़े साक्ष्य को अदालत ने अहम माना। एक लोहार ने बयान दिया कि शिवम ने उसी से कुल्हाड़ी खरीदी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर सात गहरे घाव और अत्यधिक रक्तस्राव से मौत की पुष्टि हुई।

अभियोजन ने अदालत को बताया कि अप्रैल 2022 में एक जन्मदिन समारोह के दौरान एक युवती की मौजूदगी को लेकर हुई कथित कहासुनी के बाद रंजिश पनपी थी। इसी के चलते दोनों आरोपियों ने साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वसूले गए जुर्माने की 90 प्रतिशत राशि मृतक की मां को दी जाएगी।

छात्र-छात्राओं ने देश की सांस्कृतिक विविधता को मंच पर जीवंत किया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

- रोजवेल पब्लिक स्कूल का 21वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

कानपुर (बिल्हौर)। रोजवेल पब्लिक स्कूल का 21वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी बिल्हौर संजीव दीक्षित ने फीता काटकर किया। इसके बाद विद्यालय की प्रबंधिका श्रीमती वंदना श्रीवास्तव ने सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं जान्हवीं, अक्सा और अस्मिता द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। पीजी कक्षा के नन्हे विद्यार्थियों ने 'टुकुर-टुकुर' गीत पर आकर्षक प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कक्षा एक के विद्यार्थियों ने 'हंगर' थीम पर आधारित कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक संदेश दिया।

कक्षा पांच के छात्र-छात्राओं ने 'एकता में अनेकता' विषय पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मंच पर जीवंत किया। बालिका भ्रूण हत्या पर आधारित नाट्य प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। कक्षा तीन के बच्चों ने विभिन्न त्योहारों की झांकियां प्रस्तुत कर सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।

हाल की घटनाओं पर आधारित 'ऑपरेशन सिंदूर' और अहमदाबाद प्लेन क्रैश विषयक प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों को भावुक किया। इसके बाद कॉमेडी डांस से माहौल पुनः उल्लासपूर्ण हो गया। 'द्रौपदी चीरहरण' नाट्य मंचन, डांडिया डांस, 'ओ माई फ्रेंड गणेशा', 'मेड इन इंडिया' और 'दीवानगी' जैसे कार्यक्रमों पर खूब तालियां बजीं। समापन प्रस्तुति 'जहां-जहां राधे' गीत पर हुई, जिसमें होली के आगमन की झलक दिखाई गई। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष श्रीवास्तव ने अतिथियों और अभिभावकों का स्वागत किया। विद्यालय प्रमुख करमुद्दीन और प्रधानाचार्या शालिनी बाजपेई ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही।

आदेश का उल्लंघन

लखनऊ में फिर जानलेवा मांझा

युवक गंभीर घायल, 7 टांके लगे, हालत नाजुक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।राजधानी के गोमतीनगर विस्तार थाना क्षेत्र में पतंग के जानलेवा मांझे का एक और खतरनाक मामला सामने आया है। मांझे की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिससे इलाके में दहशत और नाराजगी का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार ध्रुव नारायण पाण्डेय नामक युवक सड़क से गुजर रहे थे, तभी अचानक तेज धार वाले प्रतिबंधित मांझे ने उनकी गर्दन को काट दिया।

घटना के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल लखनऊ पहुंचाया।

चिकित्सकों ने बताया कि युवक की गर्दन पर गहरा घाव था, जिसके चलते 7 टांके लगाने पड़े। फिलहाल उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और उसे निगरानी में रखा गया है।

लगातार हो रही घटनाएं, कार्रवाई पर सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतिबंध के बावजूद बाजार में खुलेआम जानलेवा चाइनीज मांझा बिक रहा है, जिससे आए दिन निर्दोष लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक सख्त कार्रवाई नहीं होगी, ऐसी घटनाएं रुकना मुश्किल है।

सख्त कार्रवाई की मांग

घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पर कड़ी निगरानी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि यह केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि सीधे आम लोगों की जान से जुड़ा गंभीर खतरा है।पुलिस ने मामले की जानकारी होने की पुष्टि करते हुए कहा है कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा।

आस्था और धार्मिक सद्भाव का अनोखा संगम, बुर्के में कांवड़ ला रही तमन्ना

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिजनौर।संभल के गांव बदनपुर बसी निवासी मुस्लिम समुदाय की तमन्ना कंधे पर कांवड़ उठाए अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही हैं। उनके पति भी साथ चल रहे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से जगह-जगह पुलिस भी उनकी निगरानी में लगाई गई है।

धार्मिक आस्था और सामाजिक सद्भाव का अनोखा दृश्य उस समय देखने को मिला, जब संभल जिले के बदनपुर बसी गांव की तमन्ना मलिक बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा पर निकलीं। वह हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गांव की ओर बढ़ रही हैं। तमन्ना भगवान शिव को जल अर्पित करने के संकल्प के साथ पैदल यात्रा कर रही हैं।रास्ते में उनके काफिले के बिजनौर पहुंचने पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया और कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। तमन्ना के साथ करीब सौ शिवभक्त 'बोल बम' के जयकारे लगाते हुए चल रहे हैं। बताया गया कि तमन्ना ने पूर्ण आस्था और परिवार की सहमति से कांवड़ यात्रा में भाग लिया है। बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा करने को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल भी साथ चल रहा है, ताकि यात्रा शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

पंचायत चुनाव टलने के संकेत, अब 2027 विधानसभा संग कराने की तैयारी

आरक्षण और कानूनी प्रक्रिया बनी सबसे बड़ी बाधा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश की राजनीति में पंचायत चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार वर्ष 2026 में प्रस्तावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराने की स्थिति में नहीं दिख रही है और अब इन्हें वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ कराने पर गंभीर मंथन चल रहा है। इस संभावना ने सत्ता और विपक्ष दोनों की राजनीतिक रणनीतियों को नई दिशा दे दी है। सूत्रों के अनुसार पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल मई 2026 तक समाप्त होना है, लेकिन ओबीसी आरक्षण से जुड़ी नई कानूनी व्यवस्था, समर्पित आयोग का गठन और विस्तृत सर्वेक्षण की प्रक्रिया में लंबा समय लगना तय माना जा रहा है।

प्रशासनिक आकलन के मुताबिक आरक्षण निर्धारण और आंकड़ा संग्रह में कई महीने लगेंगे,आयोग की रिपोर्ट के बाद ही सीटों का अंतिम बंटवारा संभव होगा,इसी वजह से समय पर चुनाव कराना बेहद कठिन माना जा रहा है,यही कारण है कि सरकार अब चुनाव कार्यक्रम को आगे खिसकाने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है।

सूत्रों का कहना है कि पंचायत चुनाव को विधानसभा चुनाव के साथ कराने से सरकार को कई स्तर पर लाभ मिल सकता है—

- सुरक्षा व्यवस्था एक साथ लागू हो सकेगी
- प्रशासनिक मशीनरी पर दबाव कम होगा
- चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी

सियासी जानकारों का मानना है कि यह फैसला केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है।

विपक्ष को मिला बड़ा मुद्दा

पंचायत चुनाव टलने की चर्चा के साथ ही विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार संभावित जनअसंतोष और ग्रामीण स्तर पर कमजोर स्थिति के डर से चुनाव टालना चाहती है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि पंचायत चुनाव लोकतंत्र की बुनियादी इकाई हैं और इन्हें समय पर कराना संवैधानिक जिम्मेदारी है।

'सेमीफाइनल' माने जाते हैं पंचायत चुनाव

प्रदेश में लगभग 57 हजार ग्राम प्रधान, हजारों क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत प्रतिनिधियों के चुनाव होते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पंचायत चुनाव को अक्सर विधानसभा चुनाव का 卐सेमीफाइनल卐 माना जाता है, क्योंकि यही चुनाव ग्रामीण वोटरों के रुझान का पहला संकेत देते हैं।इसी कारण पंचायत चुनाव के समय को लेकर राजनीतिक दल बेहद संवेदनशील रहते हैं और अपनी रणनीति उसी हिसाब से तय करते हैं।

हालांकि अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। अंतिम फैसला आरक्षण आयोग की रिपोर्ट, कानूनी प्रक्रिया और चुनाव आयोग की तैयारियों के आधार पर ही लिया जाएगा।लेकिन सूत्रों की मानें तो मौजूदा परिस्थितियों में पंचायत चुनाव का वर्ष 2027 तक टलना लगभग तय माना जा रहा है, जिससे प्रदेश की राजनीति में आने वाले समय में और गर्माहट बढ़ना तय है।

खुला बरसाती नाला बना खतरा नगर पंचायत हुआ बेपरवाह

इस मार्ग पर स्कूली बच्चों की आवाजाही लगातार बनी रहती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

- शिवली नगर पंचायत क्षेत्र में जागेश्वर मंदिर मार्ग के किनारे बना बरसाती नाला कई वर्षों से खुला पड़ा है
- नाले को ढकने के लिए स्लैब/चटिया डालने का काम अब तक नहीं कराया गया
- नाले के पास दयाल एजुकेशन सेंटर और जय जागेश्वर इंटर कॉलेज स्थित, स्कूली बच्चों की रोज आवाजाही
- लंच और छुट्टी के समय बच्चों के नाले में गिरने का खतरा ज्यादा
- स्थानीय लोगों के मुताबिक कई राहगीर और जानवर पहले भी गिरकर घायल हो चुके हैं
- बरसात में तेज बहाव और जलभराव से हादसे का जोखिम बढ़ जाता है
- नाले से दुर्गंध उठने की शिकायत, बीमारी फैलने की आशंका जताई गई
- मोहल्ला निवासियों और अभिभावकों ने नगर पंचायत व जिलाधिकारी से कार्रवाई की मांग की
- पूर्व सभासद ने इसे गंभीर सुरक्षा और स्वास्थ्य समस्या बताया
- अधिशासी अधिकारी ने नाले पर जल्द चटिया रखवाने का आश्वासन दिया

कानपुर देहात। शिवली स्थित जागेश्वर मंदिर मार्ग के किनारे बना खुला बरसाती नाला स्थानीय लोगों और स्कूली बच्चों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है। आरोप है कि नाले का निर्माण वर्षों पहले कराया गया था, लेकिन अब तक उसे ढकने के लिए चटिया (स्लैब) नहीं डाली गई, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार कोतवाली चौराहे से जागेश्वर मंदिर तक वर्षा जल निकासी के लिए गहरा नाला बनवाया गया था। निर्माण के समय नाला ढकने का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन लंबे समय बाद भी कार्य अधूरा है। नाले के किनारे दयाल एजुकेशन सेंटर और जय जागेश्वर इंटर कॉलेज स्थित हैं, जिससे स्कूली बच्चों की आवाजाही लगातार बनी रहती है।

बताया गया कि लंच समय में बच्चे बाहर खेलते हैं, जिससे नाले में गिरने का खतरा बना रहता है। अब तक कई बच्चे, राहगीर और आवारा पशु नाले में गिरकर घायल हो चुके हैं। बरसात के मौसम में जलभराव और तेज बहाव के कारण जोखिम और बढ़ जाता है। स्थानीय निवासियों नवीन तिवारी, अपर्णा तिवारी दयाल, प्रवीण तिवारी और पूनम तिवारी समेत अन्य अभिभावकों ने प्रशासन से नाले को जल्द ढकने की मांग की है। लोगों ने जिलाधिकारी से भी हस्तक्षेप की अपील की है।इस बाबत जवाहर नगर निवासी पूर्व सभासद महावीर तिवारी ने कहा कि खुला नाला राहगीरों के लिए लगातार खतरा बना है। नाले से दुर्गंध भी उठ रही है, जिससे आसपास रहने वालों को परेशानी हो रही है

और बीमारियों का डर बना रहता है। वहीं नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि खुले पड़े बरसाती नाले पर जल्द ही चटिया रखवाने का कार्य कराया जाएगा।

पूर्व सभासद महावीर तिवारी

ई रिक्शा की टक्कर से युवक की मौत के मामले में रिपोर्ट दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। थाना क्षेत्र के ग्राम दलेलपुर उत्था महेन्द्र के पुत्र जयकेश की ई-रिक्शा से टक्कर से मौत हो गई थी। महेन्द्र ने बताया कि 6 फरवरी को ई-रिक्शा चालक यूपी 77 बीएन 0754 ने तेजी व लापरवाही से ई रिक्शा चलाते हुए महेन्द्र के पुत्र जयकेश और गांव के अमित की बाइक यूपी 78 एचई 5286 में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी थी। जिसमें जयकेश को अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था जबकि अमित का सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक के पुत्र महेन्द्र ने थाने आकर तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सिर कटे मुर्गे की पूजा की अनोखी परंपरा निभाने आते हैं हजारों भक्त

लालाभगत के प्राचीन कौमारी देवी मंदिर में लगा मेला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के लालाभगत गांव स्थित प्राचीन कौमारी देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मेला लगना शुरू हो गया है। दूर-दराज से श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। इस मंदिर की विशेष पहचान सिर कटे पत्थर के मुर्गे की पूजा की परंपरा को लेकर है, जिसे स्थानीय लोग सदियों पुरानी मान्यता से जोड़ते हैं। ग्रामीणों के अनुसार मंदिर स्थल वाले खेड़े के नीचे किसी पुराने महल के दबे होने की भी लोकमान्यता है। मंदिर का संबंध प्राचीन राजवंश और लोकगाथाओं से भी जोड़ा जाता है, जिसके चलते यह स्थान आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

स्थानीय बुजुर्गों की मान्यता के अनुसार यह स्थल पुराने समय की धार्मिक घटनाओं और लोककथाओं से जुड़ा है, जिनमें राजपरिवार, अखंड ज्योति और मुर्गे की बांग का उल्लेख मिलता है। इन कथाओं के कारण मंदिर की ख्याति पूरे क्षेत्र में फैली हुई है। बताया जाता है कि पहले यहां घना जंगल था। बाद में एक पुजारी द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया और विधि-विधान से पूजा शुरू हुई। तभी से यहां पत्थर के सिर कटे मुर्गे की प्रतिमा की पूजा की परंपरा चली आ रही है।

एक नजर में..

- लालाभगत गांव के कौमारी देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर मेला शुरू
- मंदिर में सिर कटे पत्थर के मुर्गे की पूजा की अनोखी परंपरा
- दूर-दूर से श्रद्धालु मनौती लेकर पहुंच रहे
- खेड़े के नीचे प्राचीन महल दबे होने की स्थानीय मान्यता
- मंदिर का संबंध प्राचीन राजघराने और
- लोककथाओं से जोड़ा जाता है
- जीर्णोद्धार के बाद से नियमित पूजा-अर्चना जारी
- क्षेत्रीय आस्था का प्रमुख केंद्र बना मंदिर

महाशिवरात्रि से पहले सिकंदरा पुलिस हाई अलर्ट पर

पैदल गश्त, फ्लैग मार्च कर कांवड़ रूट का किया निरीक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। आगामी त्योहारों, विशेषकर महाशिवरात्रि, को लेकर सिकंदरा थाना पुलिस ने कमर कस ली है। शुक्रवार शाम थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल ने कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक पैदल गश्त व फ्लैग मार्च किया।

कस्बे के प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी से लोगों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा। पुलिस टीम ने लोगों से संवाद कर शांति बनाए रखने की अपील की। गश्त के दौरान शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। दुकानदारों और सेल्समैन को कड़े निर्देश दिए गए कि अवैध, मिलावटी या निर्धारित समय के बाहर शराब की बिक्री पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दुकानों के आसपास अनावश्यक भीड़ न जुटने देने की भी हिदायत दी गई। थाना प्रभारी दिनेश कुमार गौतम ने बीट पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अराजक तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

बोर्ड परीक्षा कंट्रोल रूम का डीएम- एसपी ने लिया जायजा

» परीक्षा की गतिविधियों पर नजर रखने केऑपरेटर को दिए निर्देश

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

फर्रूखाबाद। 18 फरवरी से प्रारम्भ होने वाली हाईस्कूल/ इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने की तैयारी कर ली गई है। इस क्रम में उप्र माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा के कंट्रोल रूम व राजकीय इंटर कालेज में परीक्षा की तैयारियों का जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह द्वारा जायजा लिया गया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी जगह की सीसीटीवी से निगरानी की जाये, किसी भी परीक्षा केंद्र पर कोई भी अवांछित गतिविधि होने पर तत्काल सूचित किया जाये। सभी केंद्रों पर प्रश्नपत्र समय से उपलब्ध कराएं जाए।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं नामित जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा जनपद में निर्धारित 78 परीक्षा केन्द्रों के स्टेटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा शांतिपूर्ण और नकल विहीन करने के निर्देश दिए हैं द्य डीएम ने जिला विद्यालय निरीक्षक को उपलब्ध डबल लॉक के नियमों का अनुपालन कराये जाने के निर्देश दिए हैं । जिलाधिकारी ने सावधानीपूर्वक परीक्षाओं को सम्पादित कराये जाने एवं किसी भी प्रकार की घटना आदि होने की स्थिति में तत्काल सम्बन्धित जोनल/सेक्टर/जिला विद्यालय निरीक्षक/जनपदीय कंट्रोल रूम के नम्बर 05692-234153 पर एवं कंट्रोल रूम प्रभारी के मोबाइल नंबर-9450109285 पर अथवा जिलाधिकारी को अवगत कराये । किसी प्रकार की सोशल मीडिया /पब्लिक आदि में ब्रीफ न किये जाने एवं फोटोग्राफी वीडियों ग्राफी न किये जाने तथा केन्द्र पर परीक्षा तिथि से पूर्व ही भ्रमण कर सभी व्यवस्थायें पूरी कराने के निर्देश दिए हैं ।

मकरंदापुर में दो दिवसीय जिला स्तरीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू

कानपुर देहात। भोगनीपुर के मकरंदापुर गांव में शनिवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आगाज़ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य संजय सचान ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के साथ ही खेल मैदान में उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला।

उन्होंने ग्रामीण युवाओं को नशे से दूर रहने, अनुशासन का पालन करने और टीम भावना के साथ खेल में भाग लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि खेल को सदैव खेल भावना से खेलना चाहिए, इसमें किसी प्रकार की द्वेषपूर्ण भावना का स्थान नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में जिला मंत्री डिम्पल सचान, अमरनाथ सचान, टाइटन क्लब के अध्यक्ष सलीद सिद्दीकी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न गांवों और क्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया।

ट्रैक्टर-बाइक की आमने-सामने टक्कर, 23 वर्षीय युवक की मौत

अमराहट क्षेत्र में हुआ हादसा, चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार, पुलिस जांच में जुटी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अमराहट थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की आमने-सामने हुई भिड़ंत में बाइक सवार 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।घटना शाम करीब 6 बजे महटोली चेक पोस्ट के सामने हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरा भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान सिकंदरा थाना क्षेत्र के खोजाफूल गांव निवासी मंसूर आलम के पुत्र मुख्तार आलम (23) के रूप में हुई है। युवक की असमय मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक रंजीत सिंह ने जांच-पड़ताल कर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि फरार चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह हादसा क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

14 वर्षीय किशोर लापता तलाश में जुटी पुलिस

» पिता ने कहा उनका पुत्र भोगनीपुर से घाटमपुर मार्ग के बीच कहीं चला गया

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात।जनपद के डेरापुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव से 14 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा किशोर की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जगदीशपुर निवासी महावीर सिंह यादव ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र मयंक यादव गुरुवार दोपहर भोगनीपुर से घाटमपुर मार्ग के बीच कहीं चला गया और उसके बाद से घर नहीं लौटा। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका।

लापता किशोर का हुलिया इकहरा बदन, लंबा-गोल चेहरा, सांवला रंग, उम्र लगभग 14 वर्ष बताया गया है। प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और तलाश के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। संभावित स्थानों पर खोजबीन की जा रही है। जल्द किशोर को सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

लेंटर डालते समय ढहा निर्माणाधीन मकान, तीन साल की बच्ची की मौत

दूसरी मंजिल का स्लैब गिरते ही पूरी इमारत ढही, मालिक समेत 13 लोग घायल

मलबे में दबे मजदूरों को पुलिस-नगर निगम ने निकाला, जाम में फंसी एंबुलेंस

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

फिरोजाबाद।थाना उत्तर क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया, जब दूसरी मंजिल पर लेंटर डाले जाने के दौरान एक निर्माणाधीन मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में मकान मालिक की तीन वर्षीय धेवती की मौत हो गई, जबकि मकान मालिक सहित 13 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई गई है।

अमरदीप स्कूल के पीछे ककरऊ निवासी अशोक कुमार अपने 160 वर्गफीट प्लॉट पर मकान बनवा रहे थे। पहली मंजिल तैयार हो चुकी थी और शुक्रवार को दूसरी मंजिल का लेंटर डाला जा रहा था।

दोपहर करीब तीन बजे अचानक स्लैब गिर गया, जिससे पहली मंजिल की दीवारें भी फट गईं और पूरा ढांचा ध्वस्त हो गया। छत पर काम कर रहे मजदूर मलबे के साथ नीचे आ गिरे और नीचे मौजूद परिजन भी चपेट में आ गए।

सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव अभियान चलाकर मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में अशोक कुमार की धेवती सृष्टि (3), जो अपने नाना के घर रह रही थी, की मौत हो गई। घायल शीलू की हालत नाजुक होने पर उसे आगरा रेफर किया गया है।घायलों को अस्पताल ले जाते समय सुहाग नगर चौराहे के पास सर्विस रोड पर जाम लग गया। फ्लाईओवर निर्माण के कारण यातायात पहले से बाधित था, जिससे एंबुलेंस और ई-रिक्शा फंस गए। कई परिजन घायलों को गोद में उठाकर ही ट्रॉमा सेंटर की ओर दौड़ते दिखाई दिए।

गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर दर्ज हो एफआईआर : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं लोगों की समस्याएं, समयबद्ध व निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। हर मामले की निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी। सीएम योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें।

जनता दर्शन में कुछ मामले ऐसे भी आए थे, जिनमें यह शिकायत की गई कि प्रकरण में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद में शिथिलता या लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझ कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधिसम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया।

इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों पर सीएम योगी ने अपना स्नेह बरसाया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारा, उन्हें चॉकलेट दी और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

गोशाला में सीएम ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर उन्होंने गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

पंचायत चुनाव से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग बनेगा, रिपोर्ट के आधार पर ही लागू होगा ओबीसी आरक्षण

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि आगामी पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर लिया जाएगा। सरकार ने यह भी कहा कि संबंधित कानून के प्रावधानों के तहत आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ही ओबीसी आरक्षण को पूर्ण रूप से लागू किया जाएगा।

सरकार की ओर से दिए गए इस आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए खंडपीठ ने याचिका का निस्तारण कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय तथा न्यायमूर्ति ए के चौधरी की पीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव द्वारा दायर याचिका पर पारित किया।याचिका में कहा गया था कि अक्टूबर 2025 में पिछड़ा वर्ग आयोग का कार्यकाल समाप्त हो चुका है,

जिसे बाद में एक वर्ष का विस्तार दिया गया। साथ ही यह भी दलील दी गई कि भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने जयश्री लक्ष्मण राव पाटील मामले में स्पष्ट निर्देश दिया था कि समर्पित आयोग का गठन कर उसके सर्वेक्षण और रिपोर्ट के आधार पर ही स्थानीय निकाय चुनावों में आरक्षण लागू किया जाए।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी बताया गया कि अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव प्रस्तावित हैं, लेकिन अब तक समर्पित आयोग का गठन नहीं हो सका है। यह भी कहा गया कि छह सदस्यीय आयोग के गठन का प्रस्ताव फिलहाल मंत्रिमंडल के समक्ष विचाराधीन है।

इस पर राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि शासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया जारी है और पंचायत चुनाव से पहले आयोग का गठन सुनिश्चित कर लिया जाएगा। इसी आश्वासन के आधार पर अदालत ने याचिका को समाप्त करते हुए मामले का निस्तारण कर दिया।

शिव-विवाह के साक्षी बनेगी रामनगरी अयोध्या

» महाशिवरात्रि पर राम मंदिर में दिव्य श्रृंगार, रुद्राभिषेक और महाआरती की भव्य तैयारी

» उज्जैन से आएंगे श्रृंगारी, होगा दिव्य श्रृंगार, मंदिर परिसर फूल, लाइटिंग से सजेगा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रामनगरी एक बार फिर आध्यात्मिक चेतना और भक्ति के महासागर में डूबने जा रही है। भगवान भूतभावन शंकर और माता पार्वती के दिव्य विवाहोत्सव के उपलक्ष्य में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर को सुगंधित पुष्पों, प्रकाश और पारंपरिक अलंकरण से सजाया जाएगा। इसके लिए देश के विभिन्न हिस्सों से विशेष फूलों का ऑर्डर दिया गया है।

स्वराज इंडिया विशेष

मंदिर के प्रमुख प्रवेश द्वार, आद्य गुरु जगदुरु रामानंदाचार्य द्वार समेत अन्य द्वारों को भी भव्य सजावट से संवारा जाएगा। श्रद्धालुओं को प्रवेश से ही दिव्यता और भक्ति का अनुभव कराने की तैयारी की जा रही है। मुख्य पर्व रविवार को मनाया जाएगा। इस अवसर पर कुबेर नवरत्न टीला स्थित कुबेरेश्वर महादेव और राम मंदिर के परकोटे में स्थित छह शिवालयों में रुद्राभिषेक व विशेष पूजन होगा। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का अभिषेक और अभ्यर्थना की जाएगी। मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव के अनुसार, शिवालय दर्शनार्थियों के लिए पूरे दिन खुले रहेंगे। निर्माण एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यकर्ता और पुजारीगण विधिवत पूजा-अर्चना करेंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भावविभोर करेंगी

सायंकाल गोधूलि बेला में भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इसके लिए महाकाल की नगरी उज्जैन से अनुभवी श्रृंगारियों को आमंत्रित किया गया है। श्रृंगार प्रक्रिया में लगभग दो घंटे का समय लगेगा। श्रृंगार के उपरांत झांकी का अनावरण होगा और भव्य महाआरती संपन्न कराई जाएगी। इसके बाद वैदिक विधि-विधान से शिव-पार्वती विवाह का अनुष्ठान होगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अंगद टीला पर पार्थिव शिवलिंग निर्माण, भजन-कीर्तन और विवाहोत्सव का आयोजन किया जाएगा। रात्रिकालीन जागरण में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भक्तों को भावविभोर करेंगी। पूरे आयोजन के दौरान राम मंदिर में दर्शन का क्रम अनवरत जारी रहेगा। प्रशासन और ट्रस्ट की ओर से सुरक्षा, यातायात और सुविधा प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

दिल्ली दरवाजा में बनेगा पार्क, कच्चा नाला होगा पक्का

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। नगर की सरकार आपके द्वार अभियान के तहत महंत गिरीशपति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने विक्रमादित्य वार्ड का भ्रमण किया। इस दौरान नजूल की खाली जमीन पर पार्क निर्माण और कच्चे नाले को पक्का कराने का आश्वासन दिया गया।भ्रमण के दौरान नागरिकों ने नाली सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवर, पेयजल और बिजली तारों की समस्याएं रखीं। महापौर ने संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जर्जर भवनों में लटके तार बदलने, हाईमास्ट लाइट व बेंच लगाने, सड़क मरम्मत और नाले पर स्लैप डालने का भी भरोसा दिया गया। विघ्नेश्वरनाथ महादेव के पास गंदगी पर नाराजगी जताते हुए सफाई के निर्देश दिए गए। जलापूर्ति की जांच में टीडीएस सामान्य पाया गया। निरीक्षण में नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

अयोध्या मेडिकल कॉलेज में बाजार से दवा खरीदने को मजबूर कैंसर के मरीज

डा. धीरेंद्र सचान पर बाजार से महंगी दवाओं को मंगाने का दबाव डाले जाने का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज मे यहां कैंसर विभाग के प्रमुख डॉ. धीरेंद्र सचान पर गरीब और कैंसर पीड़ित मरीजों का शोषण करने व बाजार से मंहगी दवाओं की मरीजों से खरीद कराने का आरोप लगा है।

सूत्रों और स्थानीय लोगों के अनुसार, डॉ. सचान ओपीडी में मरीजों को जांच के बाद 1000 से 1500 रुपये तक की महंगी कमीशन वाली दवाएं लिख रहे हैं। ये दवाएं बाहर की दुकानों से ली जा रही हैं, जबकि सरकारी अस्पताल में सस्ती या मुफ्त दवाओं की व्यवस्था है। आरोप है कि डॉक्टर ने अपना एक मेडिकल स्टोर सेट कर रखा है और सभी मरीजों को जबरदस्ती उसी स्टोर से दवाएं खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे गरीब मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनकी कमाई लूटी जा रही है। एक कैंसर पीड़ित मरीज मायावती भी ओपीडी में पहुंची थीं, लेकिन उन्हें भी महंगी दवाएं लिखी गईं।डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के आदेशों की भी धज्जियां उड़ा रहे हैं, क्योंकि सरकार गरीबों को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। मेडिकल कॉलेज में कैंसर ओपीडी और कीमोथेरेपी जैसी सुविधाएं शुरू होने के बावजूद, कुछ डॉक्टरों द्वारा कमीशन के चक्कर में मरीजों का शोषण जारी है। यह घटना सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। शासन ने कैंसर के मरीजों की हर संभव मदद करने की व्यवस्था की है, लेकिन मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक कैंसर जैसी घातक बीमारी के मरीजों को भी नहीं बख्श रहे हैं। स्थानीय लोगों ने चिकित्सक के इस कृत्य की जांच कराने की मांग की है।

क्या कहते हैं मेडिकल कालेज के प्राचार्य

राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज अयोध्या में कैंसर के मरीजों को बाजार की दवा लिखे जाने के मामले पर प्राचार्य का कहना है कि शिकायत मिलने पर जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

फेयरवेल पार्टी के बाद 17 वर्षीय छात्र रहस्यमय ढंग से लापता

दोपहर तीन बजे के बाद से उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। हंसी, संगीत और यादों से सजा फेयरवेल समारोह उस समय चिंता के माहौल में बदल गया, जब सदर बाजार निवासी 17 वर्षीय छात्र सौरभ गुप्ता अचानक लापता हो गया। दोपहर करीब तीन बजे रकाबगंज स्थित गुरु नानक स्कूल में आयोजित फेयरवेल पार्टी में शामिल होने गया सौरभ शाम तक घर नहीं लौटा। परिजनों के अनुसार, दोपहर तीन बजे के बाद से उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा है, जिससे परिवार की बेचैनी लगातार बढ़ती जा रही है। पिता श्रीकांत गुप्ता बेटे की तलाश में हर दरवाजा खटखटा रहे हैं।परिवार ने दोस्तों, सहपाठियों और रिश्तेदारों से संपर्क किया, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। आसपास के इलाकों में खोजबीन की जा रही है और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। सौरभ को मिलनसार, शांत स्वभाव और पढ़ाई में सामान्य छात्र बताया जा रहा है। परिजनों को आशंका है कि कहीं वह किसी अनहोनी का शिकार न हो गया हो। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है और गुमशुदगी दर्ज कराने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस भी अपने स्तर पर जांच में जुटी है। परिवार ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को सौरभ के बारे में कोई भी जानकारी मिले, तो तुरंत मोबाइल नंबर 7309833030 पर संपर्क करें।

नोएडा में वेलेंटाइन डे पर कार में युवक-युवती के शव मिलने से सनसनी, गोली लगने के निशान

आशंका है कि युवक ने पहले युवती को गोली मारी और उसके बाद खुद को गोली मारकर जान दी

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नोएडा (उत्तर प्रदेश)। औद्योगिक नगरी नोएडा में वेलेंटाइन डे के दिन एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। शहर के एक इलाके में खड़ी कार के भीतर युवक और युवती के शव मिलने से हड़कंप मच गया। दोनों के शरीर पर गोली लगने के निशान पाए गए हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक ने पहले युवती को गोली मारी और उसके बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे लंबे समय से खड़ी कार पर संदेह होने पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कार का दरवाजा खुलवाया तो अंदर युवक और युवती अचेत अवस्था में मिले। दोनों को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मौके की जांच के दौरान कार के अंदर से एक अवैध/लाइसेंसी हथियार (स्थिति की पुष्टि जांच के बाद होगी) बरामद होने की बात सामने आई है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल

से साक्ष्य जुटाए हैं और कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। शुरुआती पड़ताल में दोनों के एक-दूसरे को जानने और प्रेम संबंध होने की बात सामने आई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी।

मोबाइल फोन, कॉल डिटेल, सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ के आधार पर घटनाक्रम जोड़ा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बैलिस्टिक जांच के बाद ही मौत के सही कारण और क्रम स्पष्ट हो सकेगा। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। पुलिस ने कहा है कि सभी पहलुओं–प्रेम प्रसंग, विवाद और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

नोएडा वेलेंटाइन डे कार शूटिंग केसः एक नजर में

- वेलेंटाइन डे के दिन नोएडा में खड़ी कार के अंदर युवक और युवती के शव मिले
- दोनों के शरीर पर गोली लगने के निशान पाए गए
- प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला सामने आने की आशंका
- आशंकाः युवक ने पहले युवती को गोली मारी, फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या की
- स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची
- कार को कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच कराई जा रही है
- घटनास्थल से हथियार बरामद होने की बात, वैध/अवैध स्थिति जांच में स्पष्ट होगी
- दोनों की पहचान और पारिवारिक विवरण जुटाया जा रहा है
- मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं
- पोस्टमार्टम और बैलिस्टिक रिपोर्ट के बाद मौत का क्रम स्पष्ट होगा
- पुलिस सभी एंगल प्रेम संबंध, विवाद या अन्य कारण से जांच कर रही है

वाराणसी: गंजारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अंतिम चरण में

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

वाराणसी। गंजारी क्षेत्र में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार करीब 90 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है और कार्यदायी संस्था ने 21 अप्रैल तक स्टेडियम संबंधित प्राधिकरण को हैंडओवर करने का लक्ष्य तय किया है। तय समयसीमा को देखते हुए शेष कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक स्टेडियम परिसर में फ्लड लाइट्स लगाने का काम पूरा हो चुका है। मुख्य ढांचा, पिच क्षेत्र और अन्य आधारभूत सुविधाएं लगभग तैयार हैं। वर्तमान में दर्शक दीर्घाओं में सीटें लगाने और फिनिशिंग से जुड़े कार्य तेजी से चल रहे हैं। एजेंसी का दावा है कि सभी तकनीकी और संरचनात्मक मानकों को पूरा करते हुए समय पर स्टेडियम का औपचारिक हस्तांतरण कर दिया जाएगा।

करीब 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस अत्याधुनिक स्टेडियम को काशी

➪ 21 अप्रैल तक हैंडओवर करने का लक्ष्य निर्धारित

की सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक वास्तुशिल्प को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसकी रूपरेखा में स्थानीय कला, प्रतीक और स्थापत्य शैली की झलक शामिल की गई है। परियोजना का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मुकाबलों की मेजबानी के साथ वाराणसी को वैश्विक खेल मानचित्र पर प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

हालांकि स्टेडियम के आसपास अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण का मुद्दा अभी पूरी तरह सुलझ नहीं सका है। प्रशासन किसानों से सहमति बनाने के प्रयास में जुटा है और सर्किल रेट से दोगुना मुआवजा देने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके बावजूद कुछ किसानों ने जमीन न देने का निर्णय दोहराया है। अधिकारियों का कहना है कि मुख्य स्टेडियम का निर्माण समय पर पूरा कर लिया जाएगा और हैंडओवर के तुरंत बाद इसे खेल आयोजनों के लिए तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

जांच प्रक्रिया पर फिर उठे सवाल

एपस्टीन मौत मामला

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। अमेरिका की संघीय जेल में 2019 में हुई एपस्टीन की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में है। आधिकारिक रिकॉर्ड में मौत का कारण आत्महत्या दर्ज है, लेकिन पोस्टमार्टम प्रक्रिया के दौरान मौजूद रहे फोरेंसिक विशेषज्ञों में से एक ने सार्वजनिक रूप से इस निष्कर्ष पर असहमति जताई थी। उनके बयान और बाद में आई जांच रिपोर्टों के आधार पर जेल सुरक्षा और मेडिकल जांच प्रक्रिया को लेकर सवाल लगातार उठते रहे हैं।

फोरेंसिक पैथोलॉजिस्ट माइकल बाडेन पोस्टमार्टम के समय पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में मौजूद थे। उन्होंने मीडिया इंटरव्यू में कहा था कि गर्दन पर मिले निशानों और हड्डियों के फ्रैक्चर का पैटर्न सामान्य फांसी के मामलों से अलग दिखाई देता है और यह गला दबाकर हत्या की संभावना से भी मेल खा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि उन्होंने खुद ऑटोप्सी नहीं की थी, बल्कि वे स्वतंत्र पर्यवेक्षक के तौर पर वहां मौजूद थे।

मामले की आधिकारिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट न्यूयॉर्क सिटी मेडिकल एग्जामिनर कार्यालय की ओर से जारी की गई थी। तत्कालीन मुख्य मेडिकल एग्जामिनर बारबरा सैम्पसन ने मौत का कारण आत्महत्या (फांसी) बताया था। यही निष्कर्ष कानूनी रूप से मान्य रिकॉर्ड का हिस्सा है।

घटना न्यूयॉर्क स्थित संघीय जेल में हुई थी। बाद की संघीय जांच में जेल प्रशासन की ओर से गंभीर लापरवाही सामने आई थी। जांच रिपोर्टों और अदालत में दाखिल दस्तावेजों में निगरानी व्यवस्था और ड्यूटी

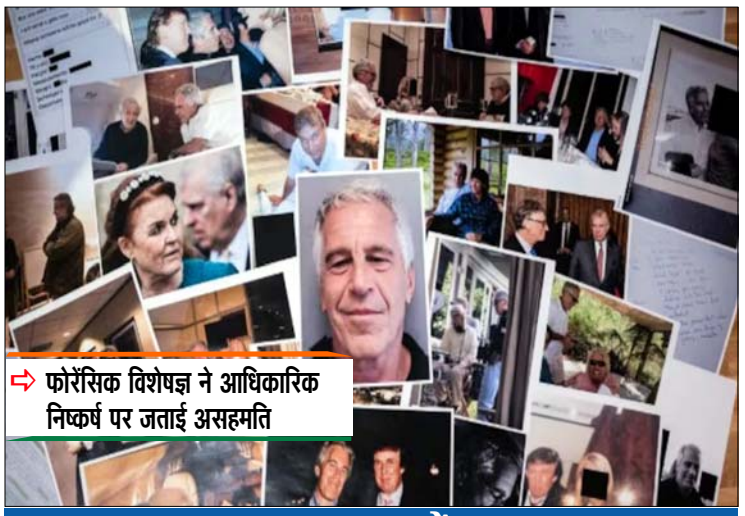

➪ फोरेंसिक विशेषज्ञ ने आधिकारिक निष्कर्ष पर जताई असहमति

एक नजर में...

- मौत वर्ष 2019 में न्यूयॉर्क की संघीय जेल में हुई
- आधिकारिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कारण आत्महत्या (फांसी) दर्ज
- फोरेंसिक विशेषज्ञ माइकल बाडेन ने चोटों के पैटर्न पर सवाल उठाए
- बाडेन ऑटोप्सी करने वाले डॉक्टर नहीं, केवल ऑब्जर्वर थे
- मुख्य मेडिकल एग्जामिनर बारबरा सैंपसन ने आत्महत्या निष्कर्ष का समर्थन किया
- संघीय जांच में जेल स्टाफ की लापरवाही पाई गई
- निर्धारित वेलनेस चेक समय पर नहीं हुआ
- कुछ सुरक्षा कैमरे काम नहीं कर रहे थे
- ड्यूटी स्टाफ पर रिकॉर्ड में गलत एंट्री करने के आरोप लगे
- आधिकारिक रूप से मामला आत्महत्या माना गया, लेकिन बहस जारी है

प्रोटोकॉल के उल्लंघन की पुष्टि हुई। जेल कर्मियों पर ड्यूटी के दौरान लापरवाही और रिकॉर्ड में गलत प्रविष्टि करने के आरोप लगे थे। यह भी दर्ज हुआ कि निर्धारित अंतराल पर कैदी की शारीरिक जांच नहीं की गई और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं हुआ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com